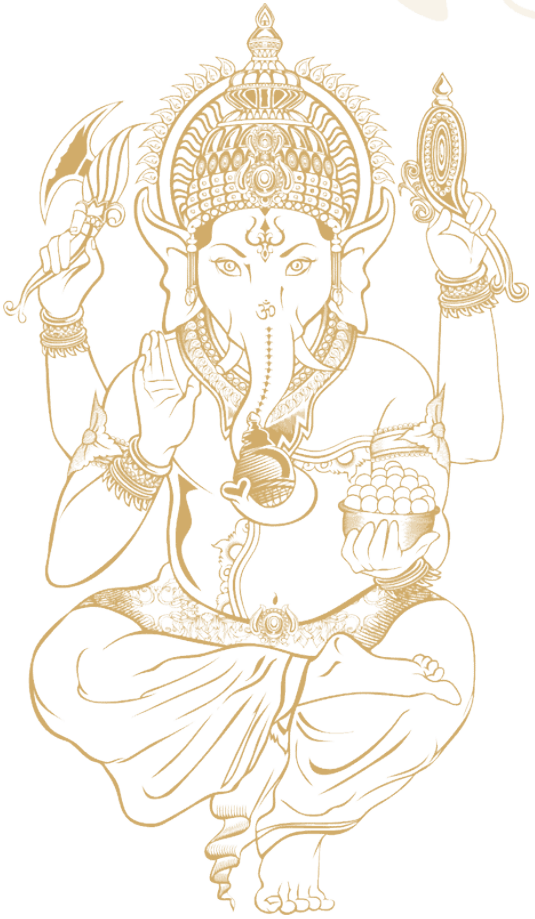

Ashish kumar

31 Mar 2003

11:32 AM

Bharatpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120910803

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**31/03/2003**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**11:32:00 घंटे**
इष्ट	13:50:19 घटी
स्थान	**Bharatpur**
देश	Nepal

अक्षांश	27:40:00 उत्तर
रेखांश	84:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	86:15:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:07:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:24:44 घंटे
वेलान्तर	-00:04:20 घंटे
साम्पातिक काल	23:57:31 घंटे
सूर्योदय	05:59:52 घंटे
सूर्यास्त	18:23:49 घंटे
दिनमान	12:23:57 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	16:12:22 मीन
लग्न के अंश	17:20:02 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 3**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	शुक्ल
करण	शकुनि
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	दा-दामोदर
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	17:20:02	317:44:13	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			मीन	16:12:22	00:59:17	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	28:52:35	12:10:34	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	सम राशि
मंगल			धनु	22:44:50	00:37:27	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	मित्र राशि
बुध		अ	मीन	25:44:50	02:00:21	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	नीच राशि
गुरु	व		कर्क	14:11:13	00:00:45	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	उच्च राशि
शुक्र			कुंभ	10:16:42	01:12:02	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	गुरु	मित्र राशि
शनि			वृष	29:28:49	00:03:54	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	मित्र राशि
राहु	व		वृष	06:45:21	00:09:40	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	06:45:21	00:09:40	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	07:09:27	00:02:52	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	---
नेप			मक	18:43:38	00:01:26	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो	व		वृश्चि	26:02:06	00:00:16	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
दशम भाव			मीन	05:25:19	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:53

लग्न-चलित

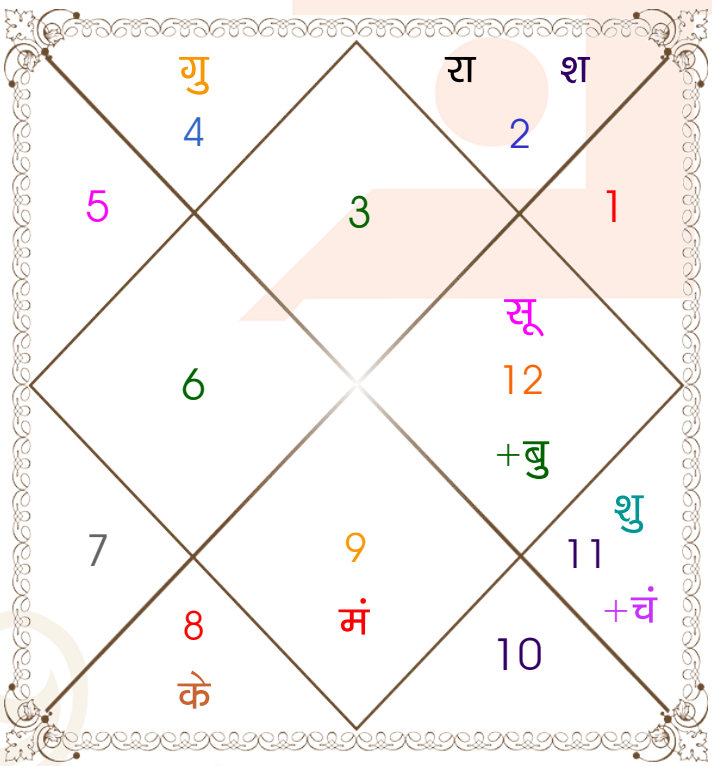

चन्द्र कुंडली

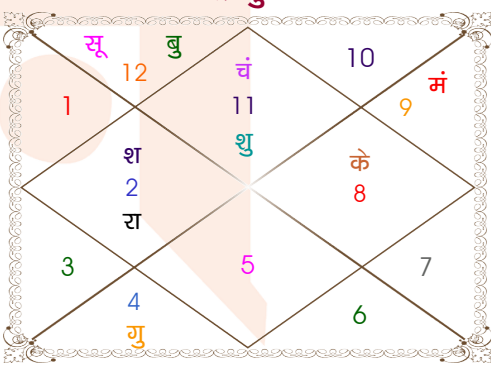

नवमांश कुंडली

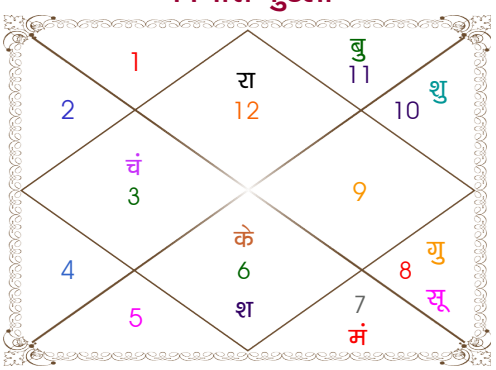

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 5 वर्ष 4 मास 5 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
31/03/2003		04/08/2008		05/08/2027		04/08/2044		05/08/2051	
04/08/2008		05/08/2027		04/08/2044		05/08/2051		05/08/2071	
	00/00/0000	शनि	08/08/2011	बुध	01/01/2030	केतु	01/01/2045	शुक्र	05/12/2054
	00/00/0000	बुध	17/04/2014	केतु	29/12/2030	शुक्र	03/03/2046	सूर्य	05/12/2055
	00/00/0000	केतु	27/05/2015	शुक्र	29/10/2033	सूर्य	09/07/2046	चंद्र	05/08/2057
	00/00/0000	शुक्र	27/07/2018	सूर्य	04/09/2034	चंद्र	07/02/2047	मंगल	05/10/2058
	31/03/2003	सूर्य	09/07/2019	चंद्र	04/02/2036	मंगल	06/07/2047	राहु	05/10/2061
सूर्य	05/12/2003	चंद्र	06/02/2021	मंगल	31/01/2037	राहु	23/07/2048	गुरु	05/06/2064
चंद्र	05/04/2005	मंगल	18/03/2022	राहु	20/08/2039	गुरु	29/06/2049	शनि	05/08/2067
मंगल	12/03/2006	राहु	22/01/2025	गुरु	25/11/2041	शनि	08/08/2050	बुध	05/06/2070
राहु	04/08/2008	गुरु	05/08/2027	शनि	04/08/2044	बुध	05/08/2051	केतु	05/08/2071

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
05/08/2071		05/08/2077		05/08/2087		05/08/2094		05/08/2112	
05/08/2077		05/08/2087		05/08/2094		05/08/2112		00/00/0000	
सूर्य	23/11/2071	चंद्र	05/06/2078	मंगल	01/01/2088	राहु	17/04/2097	गुरु	24/09/2114
चंद्र	23/05/2072	मंगल	04/01/2079	राहु	19/01/2089	गुरु	11/09/2099	शनि	06/04/2117
मंगल	28/09/2072	राहु	05/07/2080	गुरु	26/12/2089	शनि	19/07/2102	बुध	13/07/2119
राहु	23/08/2073	गुरु	04/11/2081	शनि	04/02/2091	बुध	04/02/2105	केतु	18/06/2120
गुरु	11/06/2074	शनि	05/06/2083	बुध	01/02/2092	केतु	23/02/2106	शुक्र	17/02/2123
शनि	24/05/2075	बुध	04/11/2084	केतु	29/06/2092	शुक्र	22/02/2109	सूर्य	01/04/2123
बुध	30/03/2076	केतु	05/06/2085	शुक्र	29/08/2093	सूर्य	17/01/2110		00/00/0000
केतु	04/08/2076	शुक्र	04/02/2087	सूर्य	04/01/2094	चंद्र	19/07/2111		00/00/0000
शुक्र	05/08/2077	सूर्य	05/08/2087	चंद्र	05/08/2094	मंगल	05/08/2112		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 5 वर्ष 4 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।